भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्

वानिकी समाचार

वर्ष 14 सं. 2

फरवरी 2022

आज़ादी का अमृत महोत्सव

आजादी का अमृत महोत्सव

- भा.वा.अ.शि.प. और इसके संस्थानों ने 22 से 28 फरवरी 2022 के दौरान प्रगति मैदान, नई दिल्ली में विज्ञान सर्वत्र पूज्यते मेगा एक्सपो में भाग लिया। एक्सपो में भा.वा.अ.शि.प. की विभिन्न तकनीकों का प्रदर्शन किया गया।
- व.अ.सं., देहरादून ने 22 फरवरी 2022 को एक अनुसंधानकर्ता–विद्यार्थी संवाद का आयोजन किया, जिसे पादप रसायन विज्ञान में आधुनिक अनुसंधान और विकास के बारे में वैज्ञानिक जागरूकता पैदा करने और छात्रों के बीच वैज्ञानिक प्रकृति एवं योग्यता विकसित करने के लिए डिजाइन किया गया।
- व.अ.सं., देहरादून ने 9 फरवरी 2022 को स्कूली विद्यार्थियों के लिए "व.अ.सं. परिसर की वृक्ष प्रजातियों की पहचान" विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।
- का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने काष्ठ आधारित उद्योगों, अनुसंधानकर्ताओं, वनपालों, वास्तुकारों, काष्ठ उपयोगकर्ताओं और विद्यार्थियों के लिए 4 फरवरी 2022 को "काष्ठ और बांस बहुलक सम्मिश्र" पर एक वेबिनार का आयोजन किया।
- का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने 8 फरवरी 2022 को जैवउर्वरक के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए अट्टीवट्टा, होसकोटे, बैंगलुरू ग्रामीण जिलों के लगभग 23 किसानों के लिए एक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।
- का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने कारीगरों, विद्यार्थियों, हस्तशिल्प व्यापारियों, शिक्षाविदों और अनुसंधानकर्ताओं के लिए 11 फरवरी 2022 को "भारत में काष्ठ के हस्तशिल्प क्षेत्र की समस्याएं और इसकी समाधान कार्यनीतियों" पर वेबिनार का आयोजन किया।
- हि.व.अ.सं., शिमला ने 15 फरवरी 2022 को कोट, शिलारू पंचायत, तहसील ठियोग, जिला शिमला में "शंकुधारी वृक्षों में कीटों और व्याधियों के प्रबंधन के लिए पर्यावरण अनुकूल विधि" विषय पर ग्रामीणों के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में पंचायत प्रधान, युवा मंडल, महिला मंडल आदि सहित 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- व.उ.सं., रांची ने 4 फरवरी 2022 को तुरीगढ़ में जल संसाधन प्रबंधन में समुदाय की भूमिका पर प्रशिक्षण–सह–सेमिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम में 48 ग्रामीणों ने भाग लिया।
- व.उ.सं., रांची ने 14 फरवरी 2022 को "बांस उत्पादक और उद्यमी मेला" का आयोजन किया, मेले में सरकारी अधिकारियों, बांस उत्पादकों, उद्यमियों, गैर सरकारी संगठनों, बांस खरीदारों, शिल्पकारों सहित लगभग 48 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- व.उ.सं., रांची ने 14 फरवरी 2022 को खैरिनी गांव, दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल में "औषधीय और सुगंधित पादपों के संरक्षण, खेती, कटाई और विपणन में किसानों की भूमिका" पर प्रशिक्षण का आयोजन किया।

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ सं.
आजादी का अमृत महोत्सव	01
महत्त्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष	02
परामर्श	03
वेबिनार/सेमिनार/बैठकें	03
प्रशिक्षण कार्यक्रम	03
प्रौद्योगिकी हस्तांतरण	04
पेटेंट	06
समझौता ज्ञापन	06
विविध	07
मानव संसाधन समाचार	07

भा.वा.अ.शि.प. एवं इसके संस्थानों ने विज्ञान सर्वत्र पूज्यते मेगा एक्सपो में भाग लिया

- व.उ.सं., रांची ने 18 फरवरी 2022 को वन विज्ञान केंद्र के माध्यम से तुरीगढ़, तोरपा, खूंटी में *"फ्लैमेंजिया सेमियालाटा* पर लाख की खेती" पर प्रशिक्षण आयोजित किया, जिसमें लगभग 50 ग्रामीणों ने भाग लिया।

- व.उ.सं., रांची ने 24 फरवरी 2022 को हंसबेड़ा, कर्रा, खूंटी में "बांस हस्तशिल्प, बांस उत्पादन और मूल्यवर्धन" पर सेमिनार–सह–प्रशिक्षण का आयोजन किया, जिसमें गांव के 38 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

व.अ.सं., देहरादून द्वारा व.अ.सं. परिसर की वृक्ष प्रजातियों की पहचान पर जागरूकता अभियान का आयोजन

हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा शंकुधारी वृक्षों में कीटों और व्याधियों के प्रबंधन के लिए पर्यावरण अनुकूल विधियों पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

व.उ.सं., रांची द्वारा *फ्लैमेंजिया सेमियालाटा* पर लाख की खेती पर प्रशिक्षण का आयोजन

व.उ.सं., रांची द्वारा बांस हस्तशिल्प, बांस उत्पादन और मूल्यवर्धन पर सेमिनार–सह–प्रशिक्षण का आयोजन

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर

- *टेरोकार्पस सेंटालिनस* लिन. की छाल के नमूनों में अभिज्ञात पादपयौगिकों के आण्विक डॉकिंग अध्ययन क्रोमैटोग्राफिक विश्लेषण के माध्यम से लक्षित लिगैंड प्रोटीन पर प्रदाहक निरोधी गतिविधि का प्रदर्शन किया गया और यह पाया गया कि Lup-20(29)-en-3-ol, (3.beta.)-(CAS) (Y;wiksy) सबसे संभावित यौगिक था प्रोटीन NR3C1(1NHZ) पर –8.47 का उच्चतम डॉकिंग स्कोर यह दर्शाता है कि ल्यूपोल प्रदाहक निरोधी गतिविधि के लिए कीमोथेर एपी एजेंट के रूप में आशाजनक लीड कंपाउंड का गठन करता है।

- तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई वन प्रभाग में जवाथु हिल्स (मेलपट्टू वन क्षेत्र; N12°25'46.89", E078°51'06", ऊंचाई: 929 msl) में वन आनुवंशिकी संसाधन के लिए फरवरी 2022 में आबादी सर्वेक्षण के दौरान *टर्मिनेलिया अर्जुन* के एक बहुत बड़े वृक्ष का अभिज्ञान एवं प्रलेख पोषण किया गया। इसकी ऊंचाई 18.5 मीटर थी और अवाक्ष ऊंचाई 1347 सेमी थी, जिसमें 4 मीटर की स्पष्ट बोल ऊंचाई थी। यह वृक्ष व.आ.वृ.प्र.सं. द्वारा प्रलेखित *टी अर्जुन* वृक्षों में सबसे बड़ा पाया गया और इसलिए इस विशेष वृक्ष के संरक्षण की सिफारिश की गई है, जो कि टॉपस्लिप में कन्नीमारा सागौन के समान है।

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- 2 साल के नमूने लिए गए 10 कुलों से संबंधित 248 प्रजातियों के शलभों का रिकॉर्ड की तारीख, जीपीएस निर्देशांक, ऊंचाई, प्रजातियों की संख्या, वर्गीकरण, नाम और 2 साल के डेटा के लिए नमूने की प्रत्येक प्रजाति के चित्र के साथ डेटाबेस को अद्यतन किया गया।

- पठानकोट रिजर्व फॉरेस्ट डिवीजन, पंजाब से, 22 वन आनुवंशिक संसाधन प्रजातियों का प्रलेख पोषण किया गया और पुनर्जनन डेटा दर्ज किया गया।

- *प्यूरिया लोबाटा* (एक आक्रामक खरपतवार) से प्राकृतिक रेशों के वियोजन के लिए निष्कर्षण प्राचलों को अनुकूलित किया गया।

- पूर्व–पश्च और समकालिक रंगबंधन स्थिति के अंतर्गत *प्युनिका ग्रेनेटम* के छिलके से प्राप्त प्राकृतिक रंजक के साथ विभिन्न कपड़ों पर रंगाई और रंगबंधन परीक्षण किए गए।
- टाइटेनियम ऑक्साइड एनपी (TiO-NPs) का *शोरिया रोबस्टा, डैलबर्जिया सिस्सू* के बुरादे के 25% जलीय मेथनॉल सत्त और *मैंगिफेरा इंडिका, मेलिया डूबिया, टूना सिलियाटा, अकैशिया निलोटिका, अज़ाडिराक्टा इंडिका, यूकेलिप्टस टेरेटिकॉर्निस, ई. सिट्रियोडोरा* और *ई. हायब्रिड* के नॉटवुड का उपयोग करके संश्लेषण किया गया।

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

ऑर्किड के कृत्रिम परागण पर एक डिजिटल वर्सेटाइल डिस्क (डीवीडी) तैयार की गई। दुर्लभ और संकटापन्न ऑर्किड में कृत्रिम परागण के लिए चरण–वार निर्देश डीवीडी में हैं।

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

- पश्चिम बंगाल से महुआ के 14 नए केंडिडेट प्लस ट्री (सीपीटी) और नीम के 39 नए सीपीटी का चयन किया गया।
- बिहार के अररिया, बेगूसराय और गया जिलों में *पॉपलर* और *मीलिया डूबिया* के प्रदर्शन भूखंड सह क्षेत्र परीक्षण स्थापित किए गए।
- बिहार में किसानों को मॉडल प्रदर्शित करने के लिए *पॉपलर* और *मीलिया* आधारित कृषिवानिकी मॉडल स्थापित किए गए।

परामर्ष

माह के दौरान निष्पादित प्रमुख उपलब्धियां और कार्य:

1. ओडिशा खनन निगम, ओडिशा की दाईतारी लौह अयस्क खदान की वहन क्षमता और जैव विविधता अध्ययन रिपोर्ट को अंतिम रूप देना।
2. सीआईएल द्वारा समनुदेशन के अनुसार एमसीएल के जगन्नाथ, लिंगराज और अनंत ओसीपी की ईए एंड ईपीआईआर रिपोर्ट को अंतिम रूप देना।
3. टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को अप्रैल, 2020 से सितंबर 2020 तक की अवधि के लिए वीपीएचईपी की कैट योजना की नौवीं छमाही थर्ड पार्टी मॉनीटरिंग रिपोर्ट प्रस्तुत करना।
4. एससीसीएल, कोठागुडेम में संवहनीय विकास गतिविधियों के अंतर्गत गौतमखानी ओसी परियोजना के खनन और आसपास के क्षेत्रों के पारि–पुनर्स्थापन अध्ययन पर एक नई परामर्श परियोजना पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग, भा.वा.अ.शि.प. को प्रदान की गई।

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

हिमाचल प्रदेश वन विभाग को 17 फरवरी 2022 को "पिरूल से प्राकृतिक रेशा निकालने के लिए एक आसान और पर्यावरण अनुकूल तकनीक" को स्थानांतरित किया गया। संबंधित समझौते पर श्री अजय श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (एचओएफएफ), हिमाचल प्रदेश और श्री अरुण सिंह रावत, निदेशक, व.अ.सं., एवं महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून द्वारा हस्ताक्षर किए गए।

वेबिनार/सेमिनार/बैठकें

क्र.सं.	विषय	तिथि	लाभार्थी
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
1.	प्राकृतिक रेशे के स्रोत के रूप में पिरूल के उपयोजन पर कार्यशाला	17 फरवरी 2022	-
2.	वन जल विज्ञान में प्रगतिः चुनौतियां और अवसर पर सेमिनार	18 फरवरी 2022	हिमाचल प्रदेश वन विभाग
	वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर		
3.	मृदा स्वास्थ्यः अनुसंधान और विकास पर वेबिनार	3 फरवरी 2022	वैज्ञानिक, तकनीकी कर्मचारी और छात्र

4.	जैव–उर्वरक और जैव–नियंत्रण एजेंटों – सफलता, चुनौतियां और परिणाम पर वेबिनार	15 फरवरी 2022	-
	पारि–पुनर्स्थापन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज		
5.	गम्हार और आंवला की कृषिवानिकी पर कार्यशाला	7 फरवरी 2022	-
6.	बांसः प्रवर्धन, प्रबंधन और विपणन पर कार्यशाला	15 फरवरी 2022	-
7.	वानिकी क्षेत्र में अवसरों पर सेमिनार	2 फरवरी 2022	-

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर द्वारा मृदा स्वास्थ्यः अनुसंधान और विकास पर वेबिनार का संचालन

व.अ.के.–पा.पु., प्रयागराज द्वारा गम्हार और आंवला के कृषिवानिकी पर कार्यशाला का संचालन

प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.सं.	विषय	तिथि	लाभार्थी
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
1.	बांस ऊतक संवर्धन	24 फरवरी 2022	तकनीकी सहायक, अनुसंधानकर्ता और शोधार्थी
	वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर		
2.	पादप ऊतक संवर्धन तकनीक और उसके अनुप्रयोग	7 फरवरी से 18 मार्च 2022	विद्यार्थी

3.	वन कीट विज्ञान और कीट नियंत्रण	14 फरवरी से 18 मार्च 2022	-
4.	अकाष्ठ वन उत्पाद – बांस शिल्प का मूल्य संवर्धन और विपणन	31 जनवरी से 18 मार्च 2022	-
5.	एचपीएलसी और जीसी–एमएस/एमएसः साधन, संचालन एवं अनुप्रयोग	28 फरवरी 2022	-

काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू

6.	चंदनकाष्ठ की खेती और इसकी संभावनाएं	21 फरवरी 2022	कर्नाटक वन विभाग के चंदनकाष्ठ उत्पादक और क्षेत्रीय कर्मचारी

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

7.	वानिकी अंतःक्षेपों के माध्यम से संवहनीय विकास और आजीविका	17 फरवरी 2022	वैज्ञानिक, शिक्षाविद, अधिकारी और ग्रामीण
8.	महत्वपूर्ण शीतोष्ण औषधीय पादपों की खेतीः विविधीकरण और आय में वृद्धि का एक विकल्प	20 फरवरी 2022	किसान, महिला मंडल के सदस्य
9.	वन प्रौद्योगिकी अंतःक्षेपों के माध्यम से उत्पादकता वृद्धि और संवहनीय आजीविका	26 फरवरी 2022	किसान, महिला मंडल और युवा मंडल

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर एचपीएलसी और जीसी–एमएस/एमएसः साधन, संचालन एवं अनुप्रयोग पर प्रशिक्षण का आयोजन

हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा वानिकी अंतःक्षेपों के माध्यम से संवहनीय विकास और आजीविका पर प्रशिक्षण का आयोजन

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

10.	कार्यालय प्रक्रिया	21 से 23 फरवरी 2022	भा.वा.अ.शि.प. के प्रशासनिक कर्मचारी

11.	अन्य हितधारकों के समुदायों की आजीविका संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए बांस संसाधन विकास	24 और 25 फरवरी 2022	-
12.	बांस और फलों की वृक्ष प्रजातियां	26 फरवरी 2022	बालीपारा संघ के समुदाय सदस्य

वन उत्पादकता संस्थान., रांची

13.	अकाष्ठ वन उत्पादों से आजीविका में सुधार	21 फरवरी 2022	-

व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा मा.सं.वि. योजना के अंतर्गत कार्यालयी प्रक्रिया पर प्रशिक्षण का आयोजन

व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा बांस और फलों की वृक्ष प्रजातियां पर प्रशिक्षण का आयोजन

पेटेंट

का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरू ने "तेल के गैर–अम्लीकरण की विधि" के नाम से एक भारतीय पेटेंट आवेदन संख्या 202241004804 दायर की।

समझौता ज्ञापन

- भा.वा.अ.शि.प., देहरादून और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद – केन्द्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान (सीमैप), लखनऊ के बीच श्री ए.एस. रावत, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. और डॉ प्रबोध कुमार त्रिवेदी, निदेशक, सी.एस.आई.आर. व सीमैप द्वारा 22 फरवरी 2022 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। समझौता ज्ञापन औषधीय और सुगंधित पौधा क्षेत्र में वैज्ञानिक और तकनीकी जानकारियों साझा करने, तकनीकी अंतराल के अभिज्ञान, वन आधारित प्रौद्योगिकियों के विस्तार और हितधारकों को सूचना के प्रसार के लिए संसाधनों के आदान–प्रदान के अवसर प्रदान करेगा।
- भा.वा.अ.शि.प., देहरादून और एकीकृत पर्वतीय विकास के लिए अंतराष्ट्रीय केंद्र (आई.सी.आई.एम.ओडी.), काठमांडू, नेपाल के बीच श्री ए.एस. रावत, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. और डॉ पेमा ग्यामत्सो, महानिदेशक, आई.सी.आई.एम.ओडी. द्वारा एक आशय पत्र (एलओआई) पर 22 फरवरी, 2022 को हस्ताक्षर किए गए।
- व.व.अ.सं., जोरहाट और मणिपुर वन विभाग के बीच 19 फरवरी 2022 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे वन जैव विविधता संरक्षण, पारिस्थितिकी तंत्र, जलवायु परिवर्तन भेद्यता, जलवायु परिवर्तन शमन व अनुकूलन और वन आश्रित समुदायों की आजीविका पर अनुप्रयुक्त अनुसंधान कार्यक्रमों, क्षमता निर्माण और ज्ञान साझा करने में सहयोग किया जा सके।

भा.वा.अ.शि.प., देहरादून एवं सी.एस.आई.आर.– केन्द्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान (सीमैप), लखनअ के बीच समझौता ज्ञापन

विविध

- व.उ.सं., रांची ने 26 फरवरी 2022 को भा.प्रा.रा.गो.सं., नामकुम द्वारा आयोजित किसान मेला–सह कृषि प्रदर्शनी–2022 में भाग लिया तथा संस्थान की गतिविधियों को प्रदर्शित किया। मुख्य अतिथि, माननीय राज्यपाल, झारखंड श्री रमेश बैस ने संस्थान के स्टाल का दौरा किया और गतिविधियों की सराहना की।
- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर ने जागरूकता अभियान आयोजित करके 2 फरवरी 2022 को विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2022 मनाया।

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर ने विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2022 मनाया

मानव संसाधन समाचार

नियुक्ति (नियमित)

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री पी.एस. श्रीकांत, वैज्ञानिक – 'बी', व.व.अ.सं., जोरहाट	07.02.2022
सुश्री इल्हाम बानो, वैज्ञानिक – 'बी', व.अ.के.–त.पा.तं, विशाखापत्तनम	22.02.2022

नियुक्ति (प्रतिनियुक्ति)

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री एस.के. थॅमस, भा.व.से. (अगोमिकेप्र; 2009), सीएफ, व.अ.सं., देहरादून	08.02.2022
श्री आर. अरूण कुमार, भा.व.से. (टीआरः 2009), सीएफ, व.अ.सं., देहरादून	08.02.2022

संप्रत्यवर्तन

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री एस.डी. शर्मा, भा.व.से. (हि.प्र.:87)	07.02.2022

सेवानिवृत्ति

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री एम.सी. जैन, अनुभाग अधिकारी, व.अ.सं., देहरादून	28.02.2022

सरंक्षकः
श्री अरूण सिंह रावत, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून

संपादक मंडलः
डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक
श्री रमाकान्त मिश्र, मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार), सदस्य

प्रत्याख्यान
- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।